चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	20.02.25	5	5-8

खेलों से खिलाड़ियों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है : प्रो. बी.आर. काम्बोज

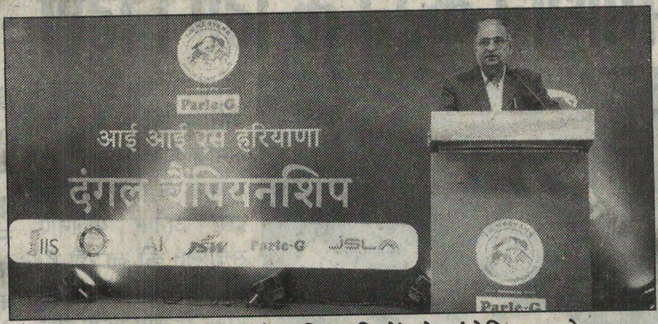

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए।

हिसार, 19 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सैंटर स्थित शहीद मदल लाल ढींगड़ा बहुउद्देशीय हाल में दो दिवसीय इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में दंगल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आईआईएस की अध्यक्षा मनीषा मल्होत्रा, उद्योगपति जगदीश जिंदल, जेएसएल के उपाध्यक्ष विजय बिंदलेश भी मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि मजबूत खेल संस्कृति के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों और खेल संगठनों के बीच आपसी तालमेल बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि खेलों से खिलाड़ियों में अनुशासन एवं भाईचारे की भावना प्रबल होती है। खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। खेल विशेषरुप से बच्चों और युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण गतिविधि है, क्योंकि इससे शरीर स्वस्थ और तंदरुस्त रहता है। खेलों से खिलाड़ियों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास भी होता है। खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल स्पर्धाओं में बेहतर खेल का प्रदर्शन करके देश का नाम रोशन किया है। गौरतलब है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में ट्रेनिंग सेंटर से कुश्ती सीख रहे खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए पुरूष व महिला ग्रुप में 6 कैटेगरी बनाई गई हैं जिसमें 53,57,60,68, 74 व 77 वजन वाले प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में आज के हुए मुकाबलों में 57 किलोग्राम भार वर्ग में सागर ने अतुल मलिक को 11-0 से हराया। वहीं 65 किलोग्राम भार वर्ग में सुजीत ने उदित को 10-0 से हराया। महिला वर्ग के 53 किलोग्राम भार वर्ग में अंतिम पंघाल ने मनीषा को 8-4 से हराया। इस प्रतियोगिता में तीन टाइटल आईआईएस हरियाणा योद्धा, आईआईएस हरियाणा वीर तथा आईआईएस हरियाणा वजन बनाए गए हैं। हरियाणा योद्धा में गोल्ड के लिए एक लाख रूपए, सिल्वर के लिए 71 हजार तथा ब्रोंज के लिए 31-31 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे। हरियाणा वीर में गोल्ड के लिए 71 हजार, सिल्वर के लिए 51 हजार तथा ब्रोंज के लिए 21-21 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे। इसी प्रकार हरियाणा वजन में गोल्ड के लिए 51 हजार, सिल्वर के लिए 31 हजार तथा ब्रोंज के लिए 11-11 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईआईएस के सीओओ तथागथा मुखर्जी, हेड ऑफ ऑपरेशन, आईआईएस हिसार सत्यप्रकाश, एडिशनल डायरेक्टर साई, वीके मनचंदा, आईआईएस कुश्ती हेड कोच सियानंद, साई से कुश्ती के सीनियर कोच राजेश व कुश्ती प्रशिक्षक कुलदीप सिंह व ओलंपिक खिलाड़ी निशा दहिया भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	20.02.25	10	2-7

एचएयू के गिरी सेंटर में महिला एवं पुरुष दंगल का आगाज

पहलवान अंतिम पंघाल ने मनीषा सुजीत ने उदित को दी पटखनी

एचएयू के वीसी प्रो. बीआर कंबोज ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सैंटर स्थित शहीद मदल लाल ढींगड़ा बहुउद्देशीय हाल में दो दिवसीय इंस्पायर इंस्टीटयूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में दंगल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में बुधवार के हुए मुकाबलों में 57 किलोग्राम भार वर्ग में सागर ने अतुल मलिक को 11-0 से हराया। 65 किलोग्राम भार वर्ग में सुजीत ने उदित को 10-0 से हराया। महिला वर्ग के 53 किलोग्राम भार वर्ग में अंतिम पंघाल ने मनीषा को 8-4 से मात दी।

इससे पूर्व प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आईआईएस की अध्यक्षा मनीषा मल्होत्रा, उद्योगपति जगदीश जिंदल, जेएसएल के उपाध्यक्ष विजय बिंदलिश भी मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि मजबूत खेल संस्कृति के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों और खेल संगठनों के बीच आपसी तालमेल का होना बहुत जरूरी है।

खेलों से खिलाडियों में अनुशासन एवं भाईचारे की भावना प्रबल होती है। खिलाडियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। खेल विशेषरुप से बच्चों और युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण गतिविधि है, क्योंकि इससे शरीर स्वस्थ और तंदरुस्त रहता है। खेलों से खिलाडियों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है। उन्होंने कहा कि खिलाडियों को खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढक़र भाग लेना चाहिए।

हिसार। खिलाडियों का परिचय लेते व खिलाडियों को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

आज कुश्ती दंगल, दोनों वर्गों की 6 कैटगरी शामिल

प्रदेश के विभिन्न जिलों में ट्रेनिंग सेंटर से कुश्ती सीख रहे खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए पुरूष व महिला ग्रुप में 6 कैटेगरी बनाई गई है जिसमें 53, 57, 60, 68, 74 व 77 वजन वाले प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस प्रतियोगिता में तीन टाइटल आईआईएस हरियाणा योद्धा, आईआईएस हरियाणा वीर तथा आईआईएस हरियाणा वजन बनाए गए हैं। हरियाणा योद्धा में गोल्ड के लिए एक लाख रुपये, सिल्वर के लिए 71 हजार तथा ब्रॉन्ज के लिए 31-31 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे। हरियाणा वीर में गोल्ड के लिए 71 हजार, सिल्वर के लिए 51 हजार तथा ब्रॉन्ज के लिए 21-21 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे। इसी प्रकार हरियाणा वजन में गोल्ड के लिए 51 हजार, सिल्वर के लिए 31 हजार तथा ब्रोंज के लिए 11-11 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे।

40 विश्वविद्यालय प्रतिस्पर्धा में हिस्सा

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी में एसोसिएशन ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी द्वारा नॉर्थ वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी शतरंज (पुरुष) टूर्नामेंट का 20 फरवरी को आगाज होगा। टूर्नामेंट में करीब 40 विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। वीसी डॉ. पुनीत गोयल और प्रो चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने बताया कि ओएसजीयू को नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी शतरंज (पुरुष) टूर्नामेंट को आयोजित करवाने का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय प्रबंधन के सहयोग से हाल ही में एआईयू युवा महोत्सव काफी बेहतरीन तरीके से आयोजित किया और अब एआईयू चेस टूर्नामेंट के लिए ओएसजीयू प्रबंधन तैयार है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनपी कौशिक व प्रति-कुलपति डॉ. राजेंद्र सिंह छिल्लर ने कहा कि यह टूर्नामेंट 20 फरवरी से 23 फरवरी तक आयोजित करवाया जाएगा, जिसमें हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, जम्मू व कश्मीर, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, पंजाब आदि राज्यों के विश्वविद्यालय के धुरंधर प्रतिभागी इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले हैं।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईआईएस के सीओओ तथागथा मुखर्जी, हेड ऑफ ऑपरेशन, आईआईएस हिसार सत्यप्रकाश, एडिशनल डायरेक्टर साई, वीके मनचंदा, आईआईएस कुश्ती हेड कोच सियानंद, साई से कुश्ती के सीनियर कोच राजेश व कुश्ती प्रशिक्षक कुलदीप सिंह व ओलंपिक खिलाड़ी निशा दहिया उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	20.02.25	4	3-5

खेलों से मिलती है नई ऊर्जा और शक्ति: काम्बोज

हिसार, 19 फरवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय इंस्पायर इंस्टीटयूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में दंगल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे, जबकि इस अवसर पर आईआईएस की अध्यक्षा मनीषा मल्होत्रा, उद्योगपति जगदीश जिंदल और जेएसएल के उपाध्यक्ष विजय बिंदलेश भी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि खेलों से खिलाड़ियों में अनुशासन और भाईचारे की भावना का विकास होता है, और इससे शरीर तंदरुस्त व स्वस्थ रहता है। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों में भाग लेने और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी।

प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ी 6 वजन श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। पुरुष और महिला वर्ग में कुल 6 कैटेगरी बनाई गई हैं, जिनमें 53, 57, 60, 68, 74, और 77 किलोग्राम भार वर्ग शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज खिलाड़ियों से परिचित होते हुए। -हप्र

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	20.02.25	1	1-4

धाकड़ छोरी एचएयू में दो दिवसीय आईआईएस हरियाणा दंगल चैंपियनशिप में प्रदेशभर से करीब 350 महिला और पुरुष पहलवान दमखम दिखा रहे हैं। बुधवार को पहलवान टीना पूनिया (नीली ड्रेस) ने दमदार दांव लगाकर संध्या को चित कर दिया। - संबंधित खबर पेज-4 पर पढ़ें

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20.02.25	3	5-6

सिटी स्पोर्ट्स एचएयू के गिरी सेंटर में दो दिवसीय आईआईएस हरियाणा दंगल शुरू

57 किलो वर्ग में हिसार का साहिल प्रथम

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के गिरी सेंटर में बुधवार से आईआईएस हरियाणा दंगल चैंपियनशिप शुरू हुई। इसमें प्रदेशभर से 134 महिला और पुरुष पहलवान दांव पेंच दिखाने के लिए पहुंचे। इनमें 60 महिला पहलवान और 74 पुरुष महलवान शामिल हैं। प्रतियोगिता में बुधवार को फ्री स्टाइल के विभिन्न भारवर्ग में मुकाबले हुए। तीन टाइटल आईआईएस हरियाणा योद्धा, आईआईएस हरियाणा वीर तथा आईआईएस हरियाणा वजन के लिए प्रतियोगिताएं हुईं। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे। कार्यक्रम में आईआईएस की अध्यक्षा मनीषा मल्होत्रा, उद्योगपति जगदीश जिंदल, जेएसएल के उपाध्यक्ष विजय बिंदलेश और ओलंपिक खिलाड़ी निशा दहिया भी मौजूद रहीं।

प्रतियोगिता में हरियाणा योद्धा में गोल्ड के लिए एक लाख रुपए, सिल्वर के लिए 71 हजार तथा ब्रॉन्ज के लिए 31-31 हजार के पुरस्कार दिए गए। हरियाणा वीर में गोल्ड के लिए 71 हजार, सिल्वर के लिए 51 हजार तथा ब्रॉन्ज के लिए 21-21 हजार के पुरस्कार दिए गए। इसी प्रकार हरियाणा वजन में गोल्ड के लिए 51 हजार, सिल्वर के लिए 31 हजार तथा ब्रॉन्ज के लिए 11 हजार के पुरस्कार दिया गया।

आईआईएस हरियाणा दंगल चैंपियनशिप में पुरस्कार हासिल करते हुए खिलाड़ी।

खेलों से नई स्फूर्ति व शक्ति का होता है संचार: कुलपति

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि मजबूत खेल संस्कृति के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों और खेल संगठनों के बीच आपसी तालमेल बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि खिलाडियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। खेल विशेष रूप से बच्चों और युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण गतिविधि है, क्योंकि इससे शरीर स्वस्थ और तंदुरुस्त रहता है। खेलों से खिलाड़ियों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास भी होता है।

ये रहे परिणाम

68+ किलोभार वर्ग
- सोनीपत की काजल प्रथम
- बास गांव की हर्षिता द्वितीय
- हिसार की तनु शर्मा तृतीय

68 किलोभार वर्ग
- जींद की मानसी लाठर प्रथम
- रोहतक की कीर्ति कुंडू द्वितीय
- हिसार की स्वाति बेरवाल तृतीय

53 किलोभार वर्ग
- गंगवा की अंतिम पंघाल प्रथम
- सिसाय की ज्योति सुरेश द्वितीय
- हिसार की हंषिका तृतीय रही

57 किलोभार वर्ग
- हिसार के साहिल प्रथम
- सोनीपत के सुमित मलिक द्वितीय
- झज्जर के निशांत तृतीय रहा

65 किलोभार वर्ग
- चरखी-दादरी के सुजीत प्रथम
- आर्मी के संदीप रंगा द्वितीय
- रोहतक के अश्वनी तृतीय

62 किलोभार वर्ग
- चरखी-दादरी की नेहा संगवान प्रथम
- हिसार की कल्पना द्वितीय
- भिवानी की पुष्पा तृतीय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20-02-25	1	2-5

दांवपेंच ... गिरी सेंटर में आईआईएस हरियाणा दंगल का आगाज

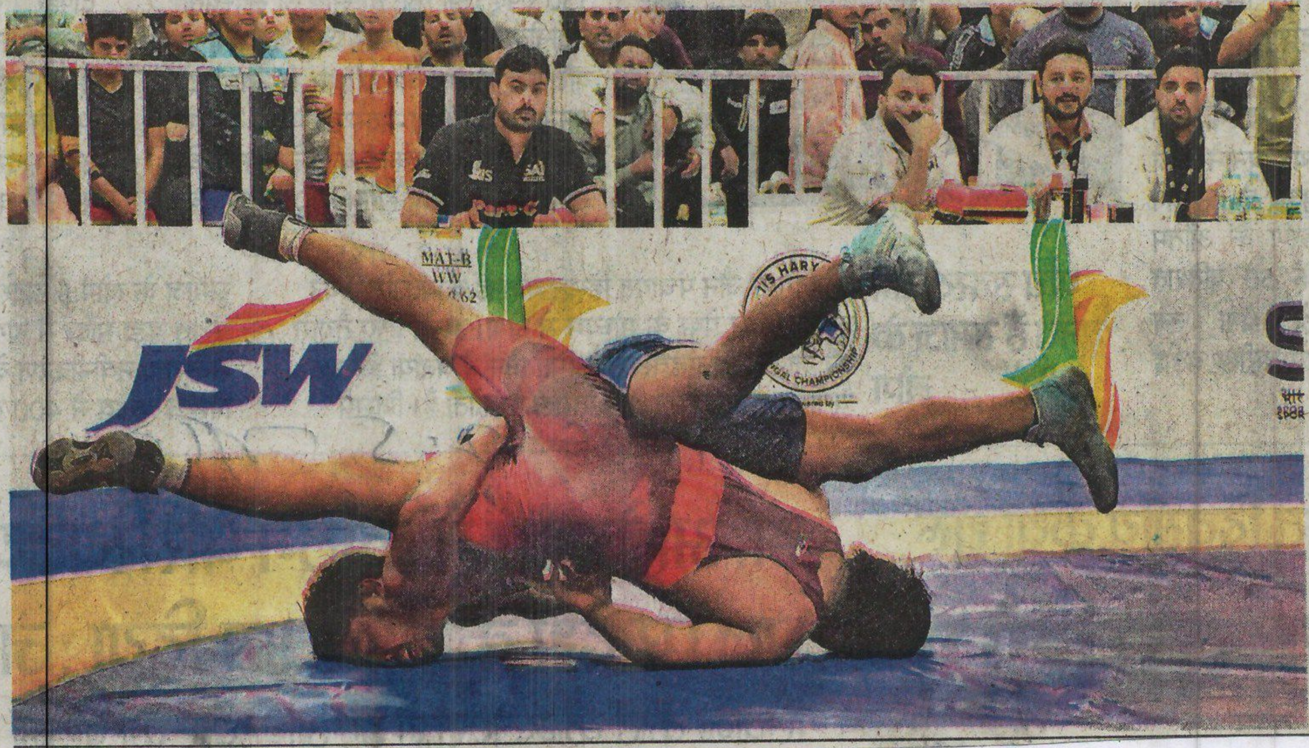

हिसार | एचएयू के गिरी सेंटर में दो दिवसीय आईआईएस हरियाणा दंगल चैम्पियनशिप का बुधवार को आगाज हुआ। इसमें प्रदेश के 134 पहलवान दांवपेच दिखाने के लिए पहुंचे। तीन टाइटल आईआईएस हरियाणा योद्धा, आईआईएस हरियाणा वीर तथा आईआईएस हरियाणा वजन के लिए प्रतियोगिताएं हुईं।

संबंधित खबर पेज- 3 पर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	20.02.25	2	1-4

खेलों से खिलाड़ियों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है: प्रो. काम्बोज

हकृवि में आईआईएस हरियाणा दंगल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का शुभारंभ

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज खिलाड़ियों का परिचय लेते हुए।

हिसार, 19 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सैंटर स्थित शहीद मदल लाल ढींगड़ा बहुउद्देशीय हाल में दो दिवसीय इंस्पायर इंस्टीटयूट ऑफ स्पोर्ट्स हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में दंगल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आई.आई.एस. की अध्यक्षा मनीषा मल्होत्रा, उद्योगपति जगदीश जिंदल, जे.एस.एल. के उपाध्यक्ष विजय बिंदलेश भी मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि मजबूत खेल संस्कृति के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों और खेल संगठनों के बीच आपसी तालमेल बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि खेलों से खिलाड़ियों में अनुशासन एवं भाईचारे की भावना प्रबल होती है।

खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। खेल विशेषरुप से बच्चों और युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण गतिविधि है, क्योंकि इससे शरीर स्वस्थ और तंदरुस्त रहता है। खेलों से खिलाड़ियों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है।

गौरतलब है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में ट्रेनिंग सेंटर से कुश्ती सीख रहे खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए पुरूष व महिला ग्रुप में 6 कैटेगरी बनाई गई हैं, जिसमें 53,57,60,68, 74 व 77 वजन वाले प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

प्रतियोगिता में आज के हुए मुकाबलों में 57 किलोग्राम भार वर्ग में सागर ने अतुल मलिक को 11-0 से हराया। वहीं 65 किलोग्राम भार वर्ग में सुजीत ने उदित को 10-0 से हराया। महिला वर्ग के 53 किलोग्राम भार वर्ग में अंतिम पंघाल ने मनीषा को 8-4 से हराया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़, मीडियां एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, कुश्ती प्रशिक्षक कुलदीप सिंह व ओलंपिक खिलाड़ी निशा दहिया भी उपस्थित रहे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	20.02.25	4	7-8

दैनिक भास्कर

बागवानी • मोटल लीफ व टहनीमार रोग से बचाव करें

नींबू के पौधों को सफेद मक्खी पहुंचाती है हानि, हर पौधे को 750 ग्राम यूरिया दें

यशपाल सिंह | हिसार

नींबू के पौधों में सफेद व काली मक्खी रस चूसकर हानि पहुंचाती है। यह टहनियों व पत्तों से रस चूसते हैं, जिससे यह पीले पड़कर सूख जाते हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि 750 ग्राम यूरिया प्रति पौधा फरवरी के अंत तक अवश्य डाल दें। नए पौधों पर लगाए गए छप्पर आदि अब हटा दें, क्योंकि मौसम कुछ गर्म होना शुरू हो गया है। इन कीटों की रोकथाम के लिए फूल खिलने से पहले नया फुटाव आने पर 500 मिलीलीटर मोनोक्रोटोफॉस (नुवाक्रोन/मोनोसिल) 36 डब्ल्यूएससी को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़कें। इस कीटनाशक के छिड़काव को नींबू किस्म के सभी पौधों के साथ बाड़ की झाड़ियों पर भी करने से अधिक लाभ होगा।

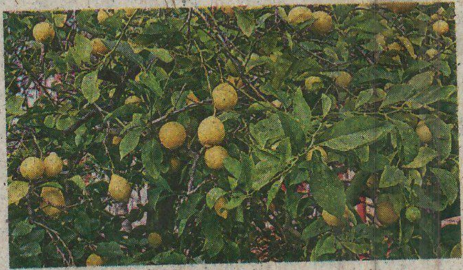

▪ छाल खाने वाली सूंडी: यह कीट प्राय दिखाई नहीं देता, परन्तु जहां पर टहनियां अलग होती हैं, वहां पर इसका मल व लकड़ी का बुरादा जाले के रूप में दिखाई देते हैं। दिन के समय इस कीट की सूंडी तने के अंदर सुरंग बनाती है और रात को छेद से बाहर निकलकर जाले के नीचे रह कर छाल को खाती है।

▪ संतरा व माल्टा का कोढ़: इस रोग में पत्तों, टहनियों और फलों पर गहरे-भूरे रंग के खुरदरे धब्बे पड़ जाते हैं। रोगी टहनियों की कांट-छांट के बाद 0.3 प्रतिशत कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का छिड़काव करें।

▪ टहनीमार रोग: इस रोग में टहनियां ऊपर से सूखनी शुरू हो जाती हैं। कभी-कभी बड़ी टहनियां भी सूख जाती हैं। फल व तने भी गल जाते हैं। इसके लिए 0.3 % कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का छिड़काव करें।

नींबू जाति के सूत्रकृमि: कमजोर पौधों पर छोटे फल समय से पहले गिर जाना आम लक्षण हैं। इस पर कार्बोफ्यूरान (फ्यूराडान 3-जी) 13 ग्राम प्रति वर्ग मीटर या नीम की खली 1 किलोग्राम प्रति पौधा व 7 ग्राम कार्बोफ्यूरान 3-जी के दाने प्रति वर्ग मीटर की दर से तने के आसपास के 9 वर्गमीटर क्षेत्र में दवा डालने के तुरंत बाद प्रचुर मात्रा में पानी दें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20.02.25	4	2-5

गेहूं उत्पादन • फसल की बढ़वार के लिए दिन-रात का पारा 18 से 22 डिग्री सेल्सियस तक जरूरी

फरवरी में अधिकतम तापमान गेहूं की फसल के लिए बनता है चुनौती, हल्की सिंचाई करते रहें

एडवाइजरी

डॉ. ओपी बिश्नोई
वरिष्ठ गेहूं विशेषज्ञ, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

मैदानी भाग में तापमान बढ़ने से गेहूं की प्रति एकड़ पैदावार कम होने की पूरी संभावना रहती है। गेहूं की शुरुआती बढ़वार के लिए कम तापमान व धुंध का वातावरण बहुत अनुकूल रहता है। जब दिन-रात का औसत तापमान 10 से 15 डिग्री सेल्सियस रहता है। गेहूं की बढ़वार के लिए दिन व रात का औसत तापमान 18 से 22 डिग्री सेल्सियस तक ठीक रहता है। औसत तापमान इससे ज्यादा होता है, तो गेहूं में बालियां जल्दी निकालनी शुरू हो जाती हैं। ऐसे समय में फसल की हल्की सिंचाई जरूरी है।

समय की बिजाई वाली गेहूं की बालियों में दाने भरने का जो 42 से 45 दिन का जो समय है वह 4 से 5 दिन घट जाता है, जिससे दाना सिकुड़ने के कारण पैदावार कम होने की संभावना रहती है। आजकल यही स्थिति बनी हुई है, क्योंकि दिन का तापमान फरवरी के दूसरे सप्ताह में ही 28 से 29 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। हकृवि अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गेहूं में एक स्प्रे पोटेशियम नाइट्रेट 2 प्रतिशत 2 किलोग्राम पोटेशियम नाइट्रेट, 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ स्प्रे करें। 10 दिन बाद एक स्प्रे और दोहराएं। इसी तरह गेहूं में बालियां निकलते समय झंडा पत्ता रोल होकर बालियों को सही तरीके से निकलने नहीं देता है, जो कि एक सूक्ष्म तत्व मैंगनीज की कमी के लक्षण हैं। इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि 500 ग्राम मैंगनीज सल्फेट 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ स्प्रे करें और 7 दिन बाद एक स्प्रे और दोहराएं ताकि बालियां सही ढंग से निकल सकें और पैदावार का कोई नुकसान ना हो।

पोटेशियम नाइट्रेट का छिड़काव करें, पीला रतुआ से बचाएं

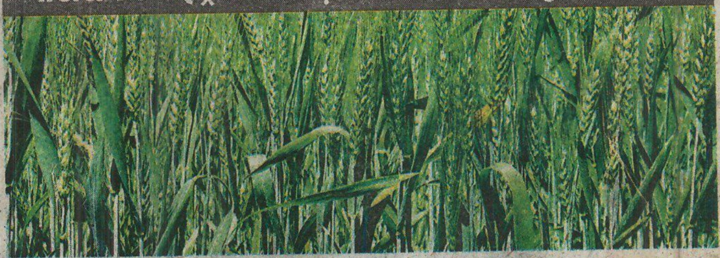

- किसान धारीदार रतुआ (पीला) की जांच के लिए नियमित रूप से फसल का निरीक्षण करें। रतुआ की पुष्टि होती है तो वैज्ञानिकों की सलाह से दवाई डालें।
- खेतों में प्रोपीकोनाजोल 25ईसी का एक छिड़काव अनुशंसित है। एक में एक एनआरजेऑफ रसायन मिलाना। इसी प्रकार 200 मिलीलीटर कवकनाशी को 200 लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ में छिड़काव करना चाहिए
- किसानों को फसल पर छिड़काव तब करना चाहिए जब मौसम साफ हो यानी बारिश न हो, कोहरा/ओस आदि नहीं होनी चाहिए।

यह भी जानें किसान

हरियाणा में गेहूं की खेती 2.37 मिलियन हेक्टेयर में की जाती है, जिससे कुल उत्पादन 11.19 मिलियन टन होता है। यहां उत्पादकता 4.72 टन प्रति हेक्टेयर है। उत्पादकता में हरियाणा पंजाब के बाद दूसरे नंबर पर है। भारत का उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल का मैदानी भाग गेहूं का कटोरा कहलाता है। इस इंडो गैंगेटिक मैदानी भाग में गेहूं के उत्पादन में कुछ चुनौतियां हैं, जो उत्पादन को कम कर देती हैं। जैसे- पीला रतुआ नामक फफूंदी की बीमारी मुख्य है। यह 10 से 15 डिग्री सेल्सियस तापमान व 80 से 90 प्रतिशत नमी पर सबसे ज्यादा फैलती है। हिमाचल के लाहौल स्पीति से हवा द्वारा मैदानी भाग में गेहूं की फसल को प्रभावित करती है। जिससे रोगग्राही किस्मों जैसे एचडी 2851, एचडी 2967, पीबीडब्ल्यू 343, डब्ल्यूएच 711, बरबट आदि किस्मों में अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो 70 से 80 प्रतिशत तक पैदावार का नुकसान हो जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	19.02.2025	--	--

हकृवि में आईआईएस हरियाणा दंगल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता

खेलों से खिलाडियों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है : प्रो. बी.आर. काम्बोज

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सैंटर स्थित शहीद मदल लाल ढींगड़ा बहुउद्देशीय हाल में दो दिवसीय इंस्पायर इंस्टीटयूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में दंगल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आईआईएस की अध्यक्षा मनीषा मल्होत्रा, उद्योगपति जगदीश जिंदल, जेएसएल के उपाध्यक्ष विजय बिंदलेश भी मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि मजबूत खेल संस्कृति के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों और खेल संगठनों के बीच आपसी तालमेल बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि खेलों से खिलाडियों में अनुशासन एवं भाईचारे की भावना प्रबल होती है। खिलाडियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। खेल विशेषरुप से बच्चों और युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण गतिविधि है, क्योंकि इससे शरीर स्वस्थ और तंदरुस्त रहता है। खेलों से खिलाडि?ों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है। उन्होंने कहा कि खिलाडियों को खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़?र भाग लेना चाहिए। खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास भी होता है। खिलाडियों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के खिलाडियों ने राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल स्पर्धाओं में बेहतर खेल का प्रदर्शन करके देश का नाम रोशन किया है।

गौरतलब है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में ट्रेनिंग सेंटर से कुश्ती सीख रहे खिलाडि?ों के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाडियों के लिए पुरुष व महिला ग्रुप में 6 कैटेगरी बनाई गई हैं जिसमें 53,57,60,68, 74 व 77 वजन वाले प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में आज के हुए मुकाबलों में 57 किलोग्राम भार वर्ग में सागर ने अतुल मलिक को 11-0 से हराया। वहीं 65 किलोग्राम भार वर्ग में सुजीत ने उदित को 10-0 से हराया। महिला वर्ग के 53 किलोग्राम भार वर्ग में अंतिम पंघाल ने मनीषा को 8-4 से हराया।

इस प्रतियोगिता में तीन टाइटल आईआईएस हरियाणा योद्धा, आईआईएस हरियाणा वीर तथा आईआईएस हरियाणा वजन बनाए गए हैं। हरियाणा योद्धा में गोल्ड के लिए एक लाख रुपए, सिल्वर के लिए 71 हजार तथा ब्रोंज के लिए 31-31 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे। हरियाणा वीर में गोल्ड के लिए 71 हजार, सिल्वर के लिए 51 हजार तथा ब्रोंज के लिए 21-21 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे।

इसी प्रकार हरियाणा वजन में गोल्ड के लिए 51 हजार, सिल्वर के लिए 31 हजार तथा ब्रोंज के लिए 11-11 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईआईएस के सीओओ तथागथा मुखर्जी, हेड ऑफ ऑपरेशन, आईआईएस हिसार सत्यप्रकाश, एडिशनल डायरेक्टर साई, वीके मनचंदा, आईआईएस कुश्ती हेड कोच सियानंद, साई से कुश्ती के सीनियर कोच राजेश व कुश्ती प्रशिक्षक कुलदीप सिंह व ओलंपिक खिलाड़ी निशा दहिया भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	20.02.2025	--	--

खेलों से खिलाडियों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सैंटर स्थित शहीद मदल लाल ढींगड़ा बहुउद्देशीय हाल में दो दिवसीय इंस्पायर इंस्टीटयूट ऑफ स्पोर्ट्स हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में दंगल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आईआईएस की अध्यक्षा मनीषा मल्होत्रा, उद्योगपति जगदीश जिंदल, जेएसएल के उपाध्यक्ष विजय बिंदलेश भी मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि मजबूत खेल संस्कृति के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों और खेल संगठनों के बीच आपसी तालमेल बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि खेलों से खिलाडियों में अनुशासन एवं भाईचारे की भावना प्रबल होती है। खिलाडियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का

हकृवि में आईआईएस हरियाणा दंगल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का शुभारंभ

अवसर मिलता है। खेल विशेषरुप से बच्चों और युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण गतिविधि है, क्योंकि इससे शरीर स्वस्थ और तंदरुस्त रहता है। खेलों से खिलाडियों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है। उन्होंने कहा कि खिलाडियों को खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढकर भाग लेना चाहिए। खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास भी होता है। खिलाडियों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के खिलाडि़ीं ने राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल स्पर्धाओं में बेहतर खेल का प्रदर्शन करके देश का नाम रोशन किया है।

गौरतलब है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में ट्रेनिंग सेंटर से कुश्ती सीख रहे खिलाडियों के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाडियों के लिए पुरूष व महिला ग्रुप में 6 कैटेगरी बनाई गई हैं जिसमें 53,57,60,68, 74 व 77 वजन् वाले प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में आज के हुए मुकाबलों में 57 किलोग्राम भार वर्ग में सागर ने अतुल मलिक को 11-0 से हराया। वहीं 65 किलोग्राम भार वर्ग में सुजीत ने उदित को 10-0 से हराया। महिला वर्ग के 53 किलोग्राम भार वर्ग में अंतिम पंघाल ने मनीषा को 8-4 से हराया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	19.02.2025	--	--

हकृवि में आईआईएस हरियाणा दंगल शुरू

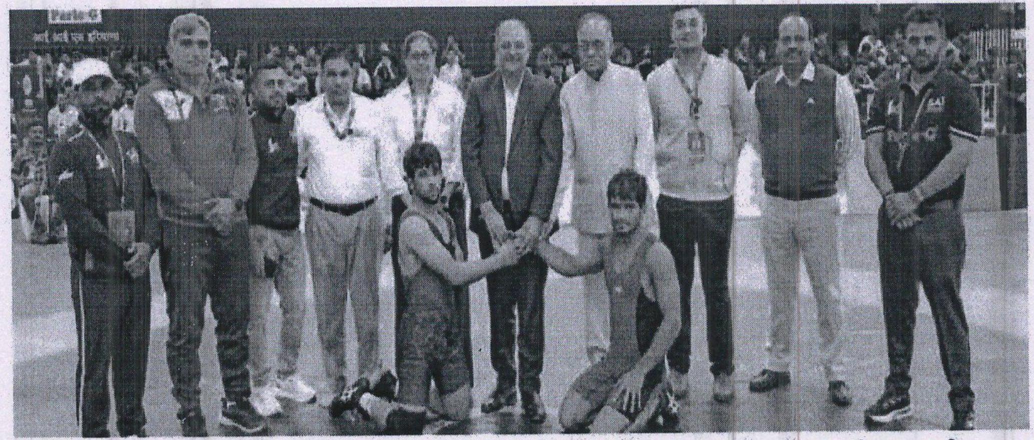

सिटीपल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सैंटर स्थित शहीद मदल लाल ढींगड़ा बहुउद्देशीय हाल में दो दिवसीय इंस्पायर इंस्टीटयूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में दंगल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आईआईएस की अध्यक्षा मनीषा मल्होत्रा, उद्योगपति जगदीश जिंदल, जेएसएल के उपाध्यक्ष विजय बिंदलेश भी मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि मजबूत खेल संस्कृति के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों और खेल संगठनों के बीच आपसी तालमेल बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि खेलों से खिलाडियों में अनुशासन एवं भाईचारे की भावना प्रबल होती है। खिलाडियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास भी होता है। खिलाडियों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। गौरतलब है कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाडियों के लिए पुरूष व महिला ग्रुप में 6 कैटेगरी बनाई गई हैं जिसमें 53,57,60,68, 74 व 77 वजन् वाले प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में आज के हुए मुकाबलों में 57 किलोग्राम भार वर्ग में सागर ने अतुल मलिक को 11-0 से हराया। वहीं 65 किलोग्राम भार वर्ग में सुजीत ने उदित को 10-0 से हराया। महिला वर्ग के 53 किलोग्राम भार वर्ग में अंतिम पंघाल ने मनीषा को 8-4 से हराया।

इस प्रतियोगिता में तीन टाइटल आईआईएस हरियाणा योद्धा, आईआईएस हरियाणा वीर तथा आईआईएस हरियाणा वजन बनाए गए हैं। इस अवसर पर डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. पवन कुमार ,डॉ. मदन खीचड़, डॉ. संदीप आर्य, सीओओ तथागथा मुखर्जी, सत्यप्रकाश, वीके मनचंदा, हेड कोच सियानंद, साई से कुश्ती के सीनियर कोच राजेश व कुश्ती प्रशिक्षक कुलदीप सिंह व ओलंपिक खिलाड़ी निशा दहिया भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	20.02.2025	--	--

खेलों से खिलाड़ियों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है: प्रो. बीआर काम्बोज

➪ हकृवि में आईआईएस हरियाणा दंगल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का शुभारंभ

जगमार्ग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सैंटर स्थित शहीद मदल लाल ढींगड़ा बहुउद्देशीय हाल में दो दिवसीय इंस्पायर इंस्टीटयूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में दंगल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आईआईएस की अध्यक्षा मनीषा मल्होत्रा, उद्योगपति जगदीश जिंदल, जेएसएल के उपाध्यक्ष विजय बिंदलेश भी मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि मजबूत खेल संस्कृति के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों और खेल संगठनों के बीच आपसी तालमेल बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि खेलों से खिलाड़ियों में अनुशासन एवं भाईचारे की भावना प्रबल होती है। खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। खेल विशेष रुप से बच्चों और युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण गतिविधि है, क्योंकि इससे शरीर स्वस्थ और तंदरुस्त रहता है। खेलों से खिलाड़ियों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल स्पर्धाओं में बेहतर खेल का प्रदर्शन करके देश का नाम रोशन किया है। गौरतलब है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में ट्रेनिंग सेंटर से कुश्ती सीख रहे खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए पुरूष व महिला ग्रुप में 6 कैटेगरी बनाई गई है जिसमें 53,57,60,68, 74 व 77 वजन वाले प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	19.02.2025	--	--

हकृवि में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर प्रशिक्षण संपन्न

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 19 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है। इस व्यवसाय से

भूमिहीन युवा भी कम लागत में एक अच्छा रोजगार स्थापित कर सकते हैं। मशरूम के उत्पादन के साथ-साथ इसका प्रसंस्करण करके या मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करके भी अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मशरूम उत्पादन से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है क्योंकि यह एक संतुलित आहार है, जिसमें कई तरह के खनिज, विटामिन, अमीनों एसीड्ज, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ-साथ यह कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर है। संस्थान के सह- निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि पिछले कई वर्षों से मशरूम की खेती की तरफ किसानों का रूझान बढ़ा है। उन्होंने बताया कि मशरूम का उपयोग भोजन व औषधि के रूप में किया जाता है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता, डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई, डॉ. विकास काम्बोज, डॉ. राकेश कुमार चुघ, डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. भूपेंद्र सिंह व डॉ. पवित्रा मोर्य पुनिया ने भी मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हांसी क्रांति	19.02.2025	--	--

खेलों से खिलाड़ियों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है : काम्बोज

हिसार, 19 फरवरी (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरि सैंटर स्थित शहीद मदन लाल ढींगड़ा बहुउद्देशीय हाल में दो दिवसीय इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में दंगल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आईआईएस की अध्यक्षा मनीषा मल्होत्रा, उद्योगपति जगदीश जिंदल, जेएसडब्ल्यू के उपाध्यक्ष विजय बिंदलेश भी मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि मजबूत खेल संस्कृति के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों और खेल संगठनों के बीच आपसी तालमेल बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि खेलों से खिलाड़ियों में अनुशासन एवं भाईचारे की भावना प्रबल होती है। खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। खेल विशेषरूप से बच्चों और युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण गतिविधि है, क्योंकि इससे शरीर स्वस्थ और तंदरुस्त रहता है। खेलों से खिलाड़ियों में नई स्फूर्ति और शक्ति का संचार होता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास भी होता है। खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल स्पर्धाओं में बेहतर खेल का प्रदर्शन करके देश का नाम रोशन किया है। गौरतलब है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में ट्रेनिंग सेंटर से कुश्ती सीख रहे खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए पुरुष व महिला ग्रुप में 6 कैटेगरी बनाई गई हैं जिसमें 53,57,60,68, 74 व 77 वजन वाले प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में आज के हुए मुकाबलों में 57 किलोग्राम भार वर्ग में सागर ने अतुल मलिक को 11-0 से हराया। वहीं 65 किलोग्राम भार वर्ग में सुजीत ने उदित को 10-0 से हराया। महिला वर्ग के 53 किलोग्राम भार वर्ग में अंतिम पंचाल ने मनीषा को 8-4 से हराया।

इस प्रतियोगिता में तीन टाइटल आईआईएस हरियाणा योद्धा, आईआईएस हरियाणा वीर तथा आईआईएस हरियाणा वजन बनाए गए हैं। हरियाणा योद्धा में गोल्ड के लिए एक लाख रुपए, सिल्वर के लिए 71 हजार तथा ब्रौंज के लिए 31-31 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे। हरियाणा वीर में गोल्ड के लिए 71 हजार, सिल्वर के लिए 51 हजार तथा ब्रौंज के लिए 21-21 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे। इसी प्रकार हरियाणा वजन में गोल्ड के लिए 51 हजार, सिल्वर के लिए 31 हजार तथा ब्रौंज के लिए 11-11 हजार के पुरस्कार दिए जाएंगे।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईआईएस के सीओओ तथागथा मुखर्जी, हेड ऑफ ऑपरेशन, आईआईएस हिसार सत्यप्रकाश, एडिशनल डायरेक्टर साई, बीके मनचंदा, आईआईएस कुश्ती हेड कोच सियानंद, साई से कुश्ती के सीनियर कोच राजेश व कुश्ती प्रशिक्षक कुलदीप सिंह व ओलंपिक खिलाड़ी निशा दहिया भी उपस्थित रहे।